BYJU'S EXAM PREP

Weekly Current Affairs

साप्ताहिक करेंट अफेयर्स

05 Dec to 11 Dec 2022

Table of Contents

International Relations……………………………………………………………

National……………………………………………………………………………...

State……………………………………………………………………………

Awards………………………………………………………………………......

Science & Technology……………………………………………………

Economy………………………………………………………………………….

Defence……………………………………………………………………………

Personality…………………………………………………………........

Sports…………………………………………………………………..........

Important Days……………………………………………………….........

International Relations

आर्टन कैपिटल पासपोर्ट इंडेक्स 2022

चर्चा में क्यों:

- आर्टन कैपिटल द्वारा जारी पासपोर्ट इंडेक्स 2022 में इस वर्ष भारत को 87वें स्थान पर रखा गया हैं।

प्रमुख बिंदु:

- विश्व के सबसे मजबूत और सबसे कमजोर पासपोर्ट को रैंक करने के लिए आर्टन कैपिटल के पासपोर्ट इंडेक्स 2022 जारी किया गया हैं।
- इस वर्ष पासपोर्ट इंडेक्स 2022 में 193 संयुक्त राष्ट्र के सदस्य राज्यों और 6 क्षेत्रों (आरओसी ताइवान, मकाओ, हांगकांग, कोसोवो, फिलिस्तीनी क्षेत्र और वेटिकन) को शामिल किया गया हैं।
- आर्टन कैपिटल सरकारों द्वारा प्रदान की गई आधिकारिक जानकारी का उपयोग करता है, जिसे क्राउडसोर्सिंग के माध्यम से प्राप्त जानकारी के साथ वास्तविक समय में अपडेट किया जाता है।
- पासपोर्ट का रैंक त्रि-स्तरीय पद्धति के माध्यम से निर्धारित किया जाता है, जिसमें वीज़ा-मुक्त, आगमन पर वीज़ा, ईटीए और ईवीसा शामिल है।
- रिपोर्ट के अनुसार यूएई के पास विश्व का सबसे मजबूत पासपोर्ट है।
- यूएई पासपोर्ट धारक 180 देशों में वीजा-मुक्त या "वीजा ऑन अराइवल" यात्रा कर सकते हैं।
- रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष 10 सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट में से नौ यूरोपीय देशों द्वारा जारी किए जाते हैं।
- आर्टन कैपिटल द्वारा जारी इंडेक्स के अनुसार, मोबिलिटी गैप के बावजूद, लगभग हर एक देश के पासपोर्ट वर्ष 2022 में अधिक शक्तिशाली हो गए हैं।
- रिपोर्ट के अनुसार, सबसे कमजोर पासपोर्ट वाले देश अफगानिस्तान (38), सीरिया (39), इराक (40), पाकिस्तान (44) हैं।

स्रोत: द हिंदू

फोर्ब्स एशिया हीरोज ऑफ परोपकार सूची में 3 भारतीय अरबपतियों में गौतम अडानी

चर्चा में क्यों:

- फोर्ब्स द्वारा फोर्ब्स एशिया हीरोज ऑफ परोपकार सूची के 16वें संस्करण को जारी किया गया हैं।

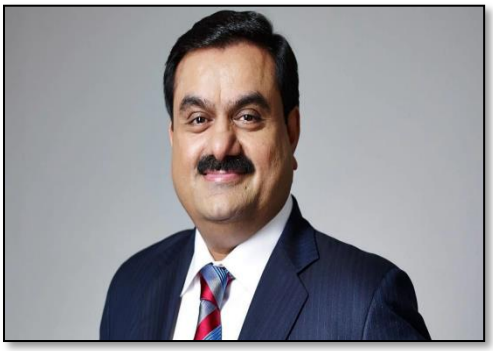

प्रमुख बिंदु:

- फोर्ब्स द्वारा फोर्ब्स एशिया हीरोज ऑफ परोपकार सूची में इस वर्ष एशिया के अडानी ग्रुप के प्रमुख गौतम अडानी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शिव नादर और हैपिएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज के अशोक सूता को शामिल किया गया है।
- फोर्ब्स द्वारा जारी सूचि के अनुसार, अडानी ग्रुप के प्रमुख और गौतम अडानी भारत के सबसे उदार परोपकारी लोगों में से एक हैं।
- फोर्ब्स द्वारा गौतम अडानी को जून में 60 वर्ष के होने पर 60,000 करोड़ रुपये देने के लिए सूचीबद्ध किया गया हैं।
- फोर्ब्स के अनुसार, यह पैसा स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और कौशल विकास में खर्च किया जायेगा तथा इसे वर्ष 1996 में स्थापित अडानी फाउंडेशन के माध्यम से दिया जाएगा।
- स्व-निर्मित अरबपति और परोपकारी शिव नादर भारत में शीर्ष दाताओं में गिने जाते हैं, जिन्होंने कुछ दशकों में अपनी संपत्ति का लगभग 1 बिलियन डॉलर शिव नादर फाउंडेशन के माध्यम से विभिन्न सामाजिक कारणों से प्रसारित किया है।
- अशोक सूटा द्वारा उम्र बढ़ने और न्यूरोलॉजिकल बीमारियों के अध्ययन के लिए अप्रैल 2021 में स्थापित चिकित्सा अनुसंधान ट्रस्ट को 600 करोड़ रुपये देने का वादा किया गया है।

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी ने वर्ष 2022 के शब्द के रूप में 'गोबलिन मोड' को चुना है

चर्चा में क्यों:

- ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी द्वारा "गॉब्लिन मोड" को एक ऑनलाइन वोट द्वारा ऑक्सफोर्ड वर्ड ऑफ द ईयर के रूप में चुना गया है।

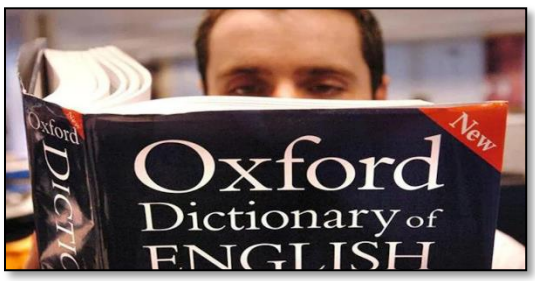

प्रमुख बिंदु:

- पहली बार ऑक्सफोर्ड वर्ड ऑफ द ईयर जनता द्वारा चुना गया हैं।
- "गॉब्लिन मोड" शब्द पहली बार वर्ष 2009 में ट्विटर पर प्रचलन में आया था।
- गॉब्लिन मोड शब्द को "एक प्रकार के व्यवहार के रूप में परिभाषित करता है, जो अनैतिक रूप से आत्म-अनुग्रहकारी, आलसी, मैला, या लालची है, आमतौर पर एक तरह से जो सामाजिक मानदंडों या अपेक्षाओं को अस्वीकार करता है।"
- वर्ष 2021 में, ऑक्सफोर्ड वर्ड ऑफ द ईयर "वैक्स" था।
- "गोब्लिन मोड" को 340,000 से अधिक मतों में से 93 प्रतिशत प्राप्त हुआ, जिसमें "मेटावर्स" 4 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहा हैं।
- टिकटोक पर, #गोब्लिनमोड का उपयोग अक्सर किसी के सर्वश्रेष्ठ संस्करण होने के आदर्श अभिव्यक्ति के विपरीत किया जाता है।
- ऑक्सफोर्ड वर्ड ऑफ द ईयर के लिए वोटिंग 21 नवंबर से 2 दिसंबर के बीच आयोजित की गयी थी।
- अमेरिकी शब्दकोश प्रकाशक मरियम-वेबस्टर द्वारा वर्ष 2022 के लिए "गैसलाइटिंग" को वर्ष के अपने शब्द के रूप में चुना गया हैं।

स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया

SIPRI की शीर्ष 100 वैश्विक हथियार कंपनियों की सूची

चर्चा में क्यों:

- भारत सरकार के स्वामित्व वाली दो रक्षा कंपनियों हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) को स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट(SIPRI) द्वारा विश्व की 100 शीर्ष रक्षा कंपनियों की सूची में शामिल किया गया है।

प्रमुख बिंदु:

- SIPRI द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, हथियारों की बिक्री में एचएएल को 3.3 बिलियन डॉलर के साथ 42वां स्थान दिया गया हैं तथा वर्ष 2021 में 1.8 बिलियन डॉलर की बिक्री के साथ एचएएल को 63वें स्थान पर रखा गया हैं।
- एचएएल भारतीय वायु सेना के लिए एलसीए तेजस, एसयू-30 एमकेआई जैसे लड़ाकू विमानों, एलसीएच प्रचंड जैसे हेलीकॉप्टर,ट्रेनर विमान, परिवहन विमान आदि का निर्माता है।
- बीईएल सशस्त्र बलों के लिए उन्नत इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाती है।

- पिछले संस्करण में एचएएल और बीईएल के साथ साथ, भारतीय आयुध कारखानों को शीर्ष 100 रक्षा कंपनियों में शामिल किया गया था।
- SIPRI रिपोर्ट विश्व के शीर्ष 100 की कुल हथियारों की बिक्री वर्ष 2021 में कुल 592 बिलियन डॉलर थी, जो वर्ष 2020 की तुलना में उनकी हथियारों की बिक्री में 1.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।
- इस वर्ष जारी रिपोर्ट में विश्व की शीर्ष 100 रक्षा कंपनियों में संयुक्त राज्य अमेरिका की 40 कंपनियां शामिल हैं, जिसमें शीर्ष 5 कंपनियां सभी अमेरिकी हैं।
- इस वर्ष जारी रिपोर्ट में शीर्ष 100 कंपनियों में चीन की 8 कंपनियों को शामिल किया गया हैं।
- रिपोर्ट के अनुसार, भारत सऊदी अरब के पश्चात हथियारों का विश्व का दूसरा सबसे बड़ा आयातक है और अमेरिका और चीन के बाद रक्षा पर विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ख़र्च करने वाला देश भी है।
- SIPRI एक स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय संस्थान है जो सशस्त्र संघर्ष, शस्त्रीकरण, शस्त्र नियंत्रण और निरस्त्रीकरण में अनुसंधान के लिए समर्पित है।
- SIPRI को वर्ष 1966 में स्थापित किया गया था, जिसका मुख्यालय सोलना, स्वीडन में था।

स्रोत: द हिंदू

भारत 2023 में 8वां सबसे बड़ा विज्ञापन बाजार बन जाएगा

चर्चा में क्यों:

- GroupM के ग्लोबल एंड-ऑफ़-ईयर पूर्वानुमान के अनुसार, भारत वर्ष 2023 में ब्राज़ील को पीछे छोड़कर आठवां सबसे बड़ा विज्ञापन बाज़ार बन जायेगा।

प्रमुख बिंदु:

- 'दिस ईयर, नेक्स्ट ईयर 2022' रिपोर्ट में ग्रुपएम द्वारा भारत को वैश्विक स्तर पर नौवें सबसे बड़े विज्ञापन बाजार के रूप में स्थान दिया गया है।
- रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में भारत का कुल विज्ञापन राजस्व 15.8% बढ़कर 14.9 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, वर्ष 2023 में इसके 16.8% बढ़ने की उम्मीद है।
- रिपोर्ट के अनुसार, भारत में खुदरा मीडिया वर्ष 2022 में 551 मिलियन डॉलर होने का अनुमान है और वर्ष 2027 तक लगभग दोगुना होने की उम्मीद है।
- टीवी विज्ञापन, विज्ञापन बाजार हिस्सेदारी के 36% का प्रतिनिधित्व करते हुए, इस साल 10.8% बढ़ने और दोगुना बढ़ने की उम्मीद है।
- रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका विश्व का सबसे बड़ा विज्ञापन बाजार है जिसके पश्चात चीन, जापान, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रांस, कनाडा, ब्राजील और भारत हैं।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

"काली मिट्टी की वैश्विक स्थिति" रिपोर्ट

चर्चा में क्यों:

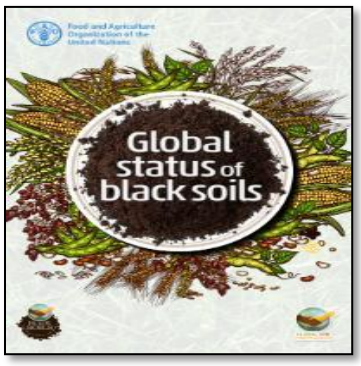

- विश्व मृदा दिवस के अवसर पर खाद्य और कृषि संगठन द्वारा "काली मिट्टी की वैश्विक स्थिति" शीर्षक वाली रिपोर्ट जारी की गयी हैं।

प्रमुख बिंदु:

- रिपोर्ट के अनुसार, भूमि उपयोग परिवर्तन, अस्थिर प्रबंधन प्रथाओं और एग्रोकेमिकल्स के अविवेकपूर्ण उपयोग के कारण मिट्टी के जैविक कार्बन स्टॉक खो रहे हैं।
- काली मिट्टी सम्पूर्ण विश्व का लगभग 2.86 प्रतिशत क्षेत्र को कवर करती है, जबकि 17.36 प्रतिशत फसल भूमि, वैश्विक एसओसी स्टॉक का 8.05 प्रतिशत और वैश्विक क्रॉपलैंड के 30.06 प्रतिशत मिट्टी के जैविक कार्बन
- स्टॉक का समर्थन करती है।
- विश्व की मिट्टी के केवल एक छोटे से हिस्से का प्रतिनिधित्व करने के बावजूद, काली मिट्टी वैश्विक खाद्य सुरक्षा और आर्थिक विकास में प्रमुख भूमिका निभाती है।
- रिपोर्ट के अनुसार कार्बन डाइऑक्साइड के रूप में कार्बन को वायुमंडल में छोड़ने के साथ, देशो द्वारा अपने मूल मिट्टी के जैविक कार्बन स्टॉक का 20 से 50 प्रतिशत से अधिक खो दिया है।
- काली मिट्टी का उचित रखरखाव विश्व स्तर पर कुल मिट्टी के जैविक कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन का लगभग 10 प्रतिशत प्रदान कर सकता है।
- रिपोर्ट के अनुसार काली मिटटी की यूरोप और यूरेशिया में सबसे अधिक क्षमता 65 प्रतिशत से अधिक है, तथा लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में लगभग 10 प्रतिशत क्षमता है।
- फसल की खेती के लिए उपयोग की जाने वाली काली मिट्टी के क्षेत्रों का वितरण विभिन्न क्षेत्रों के आधार पर भिन्न होता है।
- यूरोप और यूरेशिया कुल फसल भूमि में काली मिट्टी का 70% हिस्सा है, जबकि उत्तरी अमेरिका, लैटिन अमेरिका और कैरेबियन और एशिया प्रत्येक में 10 प्रतिशत है।
- काली मिट्टी की विशेषता कार्बनिक पदार्थों से भरपूर मोटी, गहरे रंग की मिट्टी के क्षितिज से होती है।
- काली मिट्टी उपजाऊ हैं और उनकी उच्च नमी भंडारण क्षमता के कारण उच्च कृषि उपज पैदा करने में सक्षम हैं।
- काली मिट्टी जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन के लिए वातावरण से कार्बन को हटाने और उन्हें मिट्टी कार्बनिक पदार्थ (कार्बन प्रच्छादन) में संग्रहीत करने की क्षमता के कारण महत्वपूर्ण हैं।

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

पांचवां यूरोपीय संघ-भारत प्रतियोगिता सप्ताह 2022

चर्चा में क्यों:

- यूरोपीय संघ-भारत प्रतियोगिता सप्ताह का पांचवां संस्करण इस वर्ष 5 से 7 दिसंबर तक नई दिल्ली में आयोजित किया जायेगा।

प्रमुख बिंदु:

- यूरोपियन यूनियन-इंडिया कॉम्पिटिशन वीक का आयोजन प्रत्येक वर्ष यूरोपियन कमीशन डायरेक्टरेट-जनरल फॉर कॉम्पिटिशन और भारतीय कॉम्पिटिशन कमीशन (CCI) के अधिकारियों के बीच आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए किया जाता है।
- यह वर्ष 2013 में यूरोपीय संघ और भारत द्वारा हस्ताक्षरित प्रतिस्पर्धा कानून के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर आधारित है।
- सप्ताह भर चलने वाले यूरोपीय संघ-भारत प्रतियोगिता सप्ताह कार्यक्रम को पहली बार वर्ष 2018 में आयोजित किया गया था।
- यूरोपीय संघ-भारत प्रतियोगिता सप्ताह प्रतिस्पर्धा सहयोग परियोजना का हिस्सा है।
- प्रतिस्पर्धा सहयोग परियोजना 5-वर्षीय यूरोपीय संघ द्वारा वित्त पोषित कार्यक्रम है जो एशिया में प्रतिस्पर्धा अधिकारियों को तकनीकी सहायता और सहयोग प्रदान करता है।
- यूरोपीय आयोग महानिदेशालय प्रतियोगिता (DG COMP) और भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के प्रतिनिधियों द्वारा यूरोपीय संघ-भारत प्रतियोगिता सप्ताह के पांचवें संस्करण में भाग लिया गया हैं।
- वर्ष 2022 के इस संस्करण में बेल्जियम और फ्रांसीसी प्रतिस्पर्धी प्राधिकरणों द्वारा भी भाग लिया गया हैं।
- भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) और यूरोपीय आयोग के महानिदेशालय प्रतियोगिता (DG COMP) द्वारा 2013 में प्रतिस्पर्धा कानूनों के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए थे।
- यह समझौता ज्ञापन समान या संबंधित मामलों से संबंधित प्रवर्तन गतिविधियों में शामिल यूरोपीय संघ और भारतीय प्रतिस्पर्धी प्राधिकरणों का समन्वय
- सकारात्मक और नकारात्मक समानता पर प्रावधान, अध्ययन यात्राओं, सेमिनारों या तुलनीय पहलों के माध्यम से सर्वोत्तम प्रथाओं और सूचनाओं का आदान-प्रदान आदि विषयो के लिए किया गया था।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

सिलहट-सिलचर महोत्सव

चर्चा में क्यों:

- भारत और बांग्लादेश के बीच सांस्कृतिक संबंधों का जश्न मनाने के लिए सिलहट-सिलचर महोत्सव का उद्घाटन संस्करण असम की बराक घाटी में आयोजित किया गया हैं।

प्रमुख बिंदु:

- सिलहट-सिलचर महोत्सव का उद्देश्य भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है।
- दो दिवसीय उत्सव का आयोजन संयुक्त रूप से इंडिया फाउंडेशन और बांग्लादेश फाउंडेशन फॉर रीजनल स्टडीज द्वारा किया गया हैं।
- सिलहट-सिलचर महोत्सव में भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ और पाकिस्तान से बांग्लादेश की मुक्ति की 50वीं वर्षगांठ मनाई गयी हैं।
- सिलहट-सिलचर महोत्सव में सिलहट (बांग्लादेश) और सिलचर (भारत) के दो पड़ोसी क्षेत्रों के व्यंजन, कला, शिल्प, संस्कृति और स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन किया गया हैं।
- सिलहट और सिल्चर के बीच कई वर्षों से करीबी सांस्कृतिक संबंध रहे हैं, जैसे आम भाषा, परंपराएं और व्यंजन।
- इस कार्यक्रम में आपसी विकास और अवसरों से संबंधित मुद्दों पर विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं द्वारा पैनल चर्चाओं की एक श्रृंखला को भी आयोजित किया गया हैं।
- बेसिन में भारत से निकलने वाली 29 बाउन्ड्री नदियाँ हैं और बंगाल की खाड़ी में गिरने से पहले बांग्लादेश के माध्यम से दक्षिण की ओर बहती हैं।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

सामूहिक हत्याओं के लिए भारत 8वां सबसे बड़ा जोखिम वाला देश है, अमेरिकी रिपोर्ट का दावा है

चर्चा में क्यों:

- यूएस थिंक टैंक अर्ली वार्निंग प्रोजेक्ट की रिपोर्ट के अनुसार, भारत उन देशों में 8वें स्थान पर है, जो वर्ष 2022 और वर्ष 2023 में सामूहिक हत्या के लिए सबसे अधिक जोखिम में हैं।

प्रमुख बिंदु:

- पिछले वर्ष की तुलना में भारत की रैंक में गिरावट आई है, इससे पूर्व भारत को इस सूचि में दूसरे स्थान पर रखा गया था।
- अर्ली वार्निंग प्रोजेक्ट की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022-2023 में भारत में नए सिरे से सामूहिक हत्याओं की शुरुआत की संभावना 7.4 प्रतिशत या लगभग 14 में से एक है।
- अर्ली वार्निंग प्रोजेक्ट की रिपोर्ट में पाकिस्तान को इस वर्ष सूची में सबसे ऊपर स्थान पर रखा गया है, यमन को दूसरे स्थान पर, म्यांमार तीसरे, इथियोपिया पांचवें, नाइजीरिया छठे और अफगानिस्तान को सातवें स्थान पर रखा गया है।
- भारत का प्रदर्शन सूडान (9वें), सोमालिया (10वें), सीरिया (11वें), इराक (12वें) और जिम्बाब्वे (14वें) से भी बदतर है।
- वर्ष 2021-22 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत पिछले पांच वर्षो में उच्च जोखिम वाले शीर्ष 15 देशों में दूसरे स्थान पर था।
- यह परियोजना संयुक्त राज्य होलोकॉस्ट मेमोरियल संग्रहालय के Simon-Skjodt Center for the Prevention of Genocide और डार्टमाउथ कॉलेज के डिकी सेंटर फॉर इंटरनेशनल अंडरस्टैंडिंग की एक संयुक्त पहल है।
- रिपोर्ट के अनुसार, सामूहिक हत्या उसे माना गया है, जहां एक विशेष समूह का सदस्य होने के कारण 1,000 या अधिक नागरिकों को, एक साल या उससे कम अवधि में, सशस्त्र बलों (सरकारी या गैर-सरकारी) द्वारा जान-बूझकर मार दिया जाए।

स्रोत: द हिंदू

ईआईयू कॉस्ट ऑफ लिविंग इंडेक्स 2022

चर्चा में क्यों:

- वर्ल्डवाइड कॉस्ट ऑफ लिविंग 2022 रिपोर्ट को लंदन स्थित इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट (EIU) द्वारा जारी किया गया हैं।

प्रमुख बिंदु:

- वर्ल्डवाइड कॉस्ट ऑफ लिविंग रिपोर्ट विश्व के 172 देशों में 200 से अधिक वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों की तुलना की गयी है।
- अर्धवार्षिक रिपोर्ट में शहरों में रहने वाले खर्चों में व्यापक बदलाव पाया गया, जो मुख्य रूप से यूक्रेन में युद्ध के कारण शुरू हुआ हैं।
- मॉस्को की रैंकिंग वर्ष 2021 में 72वें स्थान से बढ़कर वर्ष 2022 में 37वें स्थान पर पहुंच गयी हैं।

- तेल अवीव, जो वर्ष 2021 में सूचि में शीर्ष स्थान पर था, इस वर्ष तीसरे स्थान पर आ गया हैं, जबकि लॉस एंजिल्स और हांगकांग को इस वर्ष सूचि में चौथे स्थान पर शामिल किया गया हैं।
- मुद्राओं और अर्थव्यवस्थाओं के कमजोर होने के कारण वैश्विक ऊर्जा संकट के बाद भी कई यूरोपीय शहरों में रहने के खर्च में गिरावट आई है।
- कीव यूक्रेन की राजधानी को इस वर्ष वर्ल्डवाइड कॉस्ट ऑफ लिविंग 2022 रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है।
- सर्वेक्षण में पिछले एक वर्ष में विश्व में मुद्रास्फीति में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी हैं।
- इस्तांबुल, ब्यूनस आयर्स और तेहरान में महंगाई में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

WMO द्वारा जारी वैश्विक जल संसाधन रिपोर्ट 2021

चर्चा में क्यों:

- विश्व मौसम विज्ञान संगठन द्वारा पृथ्वी के जल संसाधनों पर जलवायु, पर्यावरण और सामाजिक परिवर्तन के प्रभावों का आकलन करने के लिए अपनी पहली वैश्विक जल संसाधन रिपोर्ट प्रकाशित की है।

प्रमुख बिंदु:

- संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन, COP27, द्वारा सरकारों से अनुकूलन प्रयासों में पानी को और एकीकृत करने का आग्रह किया गया था।
- पहली बार जल को इसके महत्वपूर्ण महत्व की मान्यता में एक COP परिणाम दस्तावेज़ में संदर्भित किया गया है।
- जल संसाधन रिपोर्ट का पहला संस्करण स्ट्रीमफ्लो, स्थलीय जल भंडारण और क्रायोस्फीयर की ओर केंद्रित हैं।
- सुलभ सत्यापित हाइड्रोलॉजिकल डेटा की कमी है।
- रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2021 में विश्व के बड़े क्षेत्रों में सामान्य परिस्थितियों की तुलना में अधिक सूखा दर्ज किया गया।
- रिपोर्ट के अनुसार, एक वर्ष जिसमें जलवायु परिवर्तन और एक ला नीना घटना से वर्षा के पैटर्न प्रभावित हुए थे।
- वर्ष 2001 और वर्ष 2018 के बीच, UN-Water के अनुसार, सभी प्राकृतिक आपदाओं में से 74% जल से संबंधित थीं।

- वैश्विक जल संसाधन रिपोर्ट 2021 के अनुसार, 6 अरब लोगों को प्रति वर्ष कम से कम एक महीने के लिए पानी की अपर्याप्त उपलब्धता का सामना करना पड़ता है।

स्रोत: द हिंदू

ग्लोबल वेज रिपोर्ट 2022-2023

चर्चा में क्यों:

- अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) द्वारा "ग्लोबल वेज रिपोर्ट 2022-2023: द इंपैक्ट ऑफ़ इन्फ्लेशन एंड COVID-19 ऑन वेज एंड परचेजिंग पावर" शीर्षक वाली रिपोर्ट जारी की गयी हैं।

प्रमुख बिंदु:

- वर्ष 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के पश्चात से पहली बार वर्ष 2022 में वैश्विक मजदूरी में गिरावट आई है, जो रहने वाले खर्चों में वृद्धि के कारण हुई है।
- रिपोर्ट के अनुसार, गंभीर मुद्रास्फीति संकट और वैश्विक आर्थिक मंदी - आंशिक रूप से यूक्रेन में युद्ध और वैश्विक ऊर्जा संकट के कारण - कई देशों में वास्तविक मासिक मजदूरी में गिरावट का कारण बन रहे हैं।
- ग्लोबल वेज रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022 की पहली छमाही में वास्तविक रूप से मासिक वेतन में 0.9 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो 21वीं सदी में वास्तविक वैश्विक मजदूरी की पहली नकारात्मक वृद्धि है।
- रिपोर्ट के अनुसार, मुद्रास्फीति के साथ तालमेल बिठाने के लिए किए गए प्रयासों के बावजूद वर्ष 2020 से वर्ष 2022 तक न्यूनतम मजदूरी में वास्तविक रूप से गिरावट आई है, जिसमें बुल्गारिया, स्पेन, श्रीलंका, दक्षिण कोरिया, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देश शामिल हैं।
- वर्ष 2022 में वास्तविक श्रम उत्पादकता वृद्धि और वर्ष 1999 के पश्चात से उच्च आय वाले देशों में वास्तविक वेतन वृद्धि के बीच सबसे बड़ा अंतर दर्ज किया गया हैं।
- रिपोर्ट के अनुसार, जी20 देशों और जी20 अर्थव्यवस्थाओं के वास्तविक वेतन के औसत स्तर के बीच एक व्यापक अंतर है।

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

ऑस्ट्रेलिया-भारत ऊर्जा केंद्र (AICE)

चर्चा में क्यों:

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास और ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय 2030 एसडीजी पर कार्य करने के उद्देश्य से ऑस्ट्रेलिया-भारत ऊर्जा केंद्र (एआईसीई) शुरू करने के लिए कार्य कर रहे हैं।

प्रमुख बिंदु:

- ऑस्ट्रेलिया-भारत ऊर्जा केंद्र (AICE) एक आभासी केंद्र है जो ऊर्जा क्षेत्र में भारत और ऑस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- ऑस्ट्रेलिया-भारत ऊर्जा केंद्र दिसंबर 2022 में IIT मद्रास द्वारा आयोजित दो दिवसीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन 2022 के दौरान लॉन्च किया जाएगा।
- ऑस्ट्रेलिया-भारत ऊर्जा केंद्र का मुख्य उद्देश्य परिवर्तनकारी अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और परिनियोजन के माध्यम से ऊर्जा क्षेत्र में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच द्विपक्षीय सहयोग को ओर अधिक बढ़ाना है।
- ऑस्ट्रेलिया-भारत ऊर्जा केंद्र का उद्देश्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अर्थशास्त्र, नीति और शासन में संलग्न होने के लिए शिक्षाविदों, उद्योगों और सरकारी एजेंसियों के लिए एसडीजी 7 और अन्य संबंधित एसडीजी पर एक प्रमुख द्विपक्षीय मंच बनना है।
- ऑस्ट्रेलिया-भारत ऊर्जा केंद्र के तहत सहयोग का नेतृत्व IIT मद्रास और ऑस्ट्रेलिया में डीकिन विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा।
- यह पहल भारत और ऑस्ट्रेलिया में सरकारी संस्थाओं, वित्त पोषण एजेंसियों और व्यक्तिगत शोधकर्ताओं के बीच सहयोग को बढ़ावा देने में साहयता करने के उद्देश्य से शुरू की जाएगी।
- ऑस्ट्रेलिया-भारत ऊर्जा केंद्र सहयोगी प्रयोगशालाओं की पहचान करके निर्बाध अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने का भी प्रयास करेगा।
- ऑस्ट्रेलिया-भारत ऊर्जा केंद्र का लक्ष्य दोनों देशों के बीच अनुसंधान संकाय, यंग इंटरनेशनल फेलो (वाईआईएफ) और ग्लोबल रिसर्च फेलो (जीआरएफ) की गतिशीलता को तेज़ करना हैं।
- ऑस्ट्रेलिया-भारत ऊर्जा केंद्र के तहत वैश्विक ऊर्जा चुनौतियों के लिए अभिनव और टिकाऊ समाधान विकसित करने के लिए दक्षिण एशिया और आसियान क्षेत्रों में अन्य केंद्रों के साथ साझेदारी का भी समर्थन किया जायेगा।

स्रोत: द हिंदू

ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट 2022

चर्चा में क्यों:

- ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट (जीटीएस) का 7वां संस्करण 29 नवंबर से 1 दिसंबर तक नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

प्रमुख बिंदु:

- ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट के 2022 संस्करण का विषय "प्रौद्योगिकी की भू-राजनीति" है।
- ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट, भू-प्रौद्योगिकी पर भारत का प्रमुख वार्षिक आयोजन है, जो प्रौद्योगिकी और बदलती भू-राजनीति पर चर्चा करने के लिए विश्व के उद्योग विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, वैज्ञानिकों और अन्य प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाता है।
- ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट का मुख्य उद्देश्य तकनीकी विकास और नए विचारों को बाधित किए बिना सभी पक्षों की विभिन्न चिंताओं को दूर करने के लिए नए तरीके विकसित करना है।
- ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट का उद्घाटन संस्करण वर्ष 2016 में आयोजित किया गया था।
- ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट का सातवाँ संस्करण इस वर्ष हाइब्रिड प्रारूप में आयोजित किया गया था।
- ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट की सह-मेजबानी विदेश मंत्रालय और कार्नेगी इंडिया द्वारा की गयी थी।
- भारत द्वारा G20 की अध्यक्षता लेने के साथ, वैश्विक प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन अंतर्राष्ट्रीय गठजोड़ और उभरती प्रौद्योगिकियों की वर्तमान स्थिति और भू-राजनीति पर उनके प्रभाव का पता लगाने का प्रयास करता है।
- ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट की चर्चा स्थायी प्रौद्योगिकियों के लाभों और चुनौतियों और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उभरती भू-राजनीति पर केंद्रित थी।
- ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट में अमेरिका, यूरोपीय संघ, सिंगापुर, जापान, नाइजीरिया, ब्राजील, भूटान और अन्य देशों के मंत्रियों और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों द्वारा भी भाग लिया गया हैं।

स्रोत: द हिंदू

National

बीबीसी ने 100 सबसे प्रभावशाली महिलाओं की सूची जारी की: सूची में 4 भारतीय महिलाएं

चर्चा में क्यों:

- ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) द्वारा विश्व की 100 सबसे प्रभावशाली महिलाओं की सूची प्रकाशित की गयी है।

प्रमुख बिंदु:

- ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन द्वारा जारी सूचि में राजनीति, विज्ञान, खेल, मनोरंजन और साहित्य जैसे कई क्षेत्रों की महिलाओं को शामिल किया गया है।
- ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन द्वारा जारी 100 सबसे प्रभावशाली महिलाओं की सूची में इस वर्ष चार भारतीय महिलाओ, अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा, लेखिका गीतांजलि श्री, इंजीनियर और अंतरिक्ष यात्री सिरिशा बंदला तथा सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहा जवाले को शामिल किया गया हैं।
- ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन द्वारा जारी सूचि में जमीनी स्तर से आने वाली कार्यकर्ता से लेकर वैश्विक नेताओं को शामिल किया जाता है।
- पहली बार बीबीसी द्वारा पूर्व में इस सूची में शामिल रहीं '100 महिलाओं' की भी साहयता ली गयी हैं।
- बीबीसी की सबसे प्रभावशाली महिलाओं की सूची अपने 10वें सीज़न के साथ-साथ बीबीसी वर्ल्ड सर्विस की 90वीं वर्षगांठ और बीबीसी की शताब्दी के अवसर पर प्रकाशित की गयी हैं।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

गूगल ने भारत में गलत सूचना विरोधी अभियान शुरू किया

चर्चा में क्यों:

- गूगल की सहायक जिगसॉ द्वारा भारत में एक नई गलत सूचना विरोधी परियोजना की शुरुआत की गयी है।

प्रमुख बिंदु:

- परियोजना का उद्देश्य उस भ्रामक जानकारी को रोकना है जिसे हिंसा को भड़काने और मौतों के लिए दोषी ठहराया गया है।
- अन्य देशों की तरह, भारत में भी ज्यादातर सोशल मीडिया के माध्यम से,गलत सूचना पूरे भारत में तेजी से फैलती है जो राजनीतिक और धार्मिक तनाव पैदा करती है।
- इससे पूर्व भारत सरकार द्वारा यूट्यूब, गूगल, मेटा (फेसबुक) और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया कंपनियों से नकली समाचारों के प्रसार को रोकने के लिए कदम उठाने का आह्वान किया गया था।
- इस परियोजना के तहत "प्रीबंकिंग" वीडियो का उपयोग किया जायेगा।
- प्रीबंकिंग वीडियो व्यापक होने से पहले झूठे दावों का मुकाबला करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।
- इसका उपयोग यूट्यूब प्लेटफॉर्म और अन्य सोशल मीडिया साइटों पर किया जाएगा।
- एक जर्मन एनजीओ अल्फ्रेड लैंडेकर फाउंडेशन और परोपकारी निवेश फर्म ओमिड्या नेटवर्क इंडिया और कई छोटे क्षेत्रीय भागीदारोंके सहयोग से जिगसॉ द्वारा तीन अलग-अलग भाषाओं में पांच वीडियो तैयार किये गए हैं।
- शुरुआत में वीडियो बंगाली, हिंदी और मराठी भाषा में प्रसारित किया जायेगा।
- गूगल, वर्ष 1998 में लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन द्वारा बनाई गई एक अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनी है।
- वर्ष 2015 में, गूगल को अल्फाबेट कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में पुनर्गठित किया गया था।

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

वैश्विक विमानन सुरक्षा रैंकिंग में भारत 48वें स्थान पर पहुंचा

चर्चा में क्यों:

- अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) द्वारा जारी वैश्विक विमानन सुरक्षा रैंकिंग में भारत 48वें स्थान पर पहुंच गया है।

प्रमुख बिंदु:

- रैंकिंग में भारत और जॉर्जिया 85.49 प्रतिशत के स्कोर के साथ 48वें स्थान पर हैं।
- वैश्विक विमानन सुरक्षा रैंकिंग में, सिंगापुर शीर्ष स्थान पर है, जिसके पश्चात संयुक्त अरब अमीरात और दक्षिण कोरिया क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है, जिसका मुख्यालय मॉन्ट्रियल, क्यूबेक, कनाडा के क्वार्टियर इंटरनेशनल में स्थित है।

- अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन मानकों के तहत, छह क्षेत्रों के प्रभावी कार्यान्वयन (ईआई) का आकलन किया गया है, जिसमें LEG, ORG, PEL, OPS, AIR और AGA शामिल हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन विश्व में सुरक्षित और व्यवस्थित विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन की योजना और विकास को बढ़ावा देता है।

स्रोत: पीआईबी

अडानी ग्रीन दुनिया की सबसे बड़ी पवन-सौर हाइब्रिड पावर डेवलपर बनी

चर्चा में क्यों:

- अदाणी समूह की नवीकरणीय ऊर्जा शाखा, अदानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) द्वारा राजस्थान के जैसलमेर में अपना तीसरा पवन-सौर हाइब्रिड बिजली संयंत्र चालू किया गया है।

प्रमुख बिंदु:

- 450 मेगावाट के इस संयंत्र के सफल संचालन के साथ, एजीईएल की अब कुल परिचालन उत्पादन क्षमता 7.17 गीगावॉट हो गई है।
- राजस्थान के जैसलमेर में स्थापित हाइब्रिड पावर प्लांट की संयुक्त परिचालन उत्पादन क्षमता 450 मेगावाट है।
- इस प्रोजेक्ट में 600 मेगावाट सोलर और 150 मेगावाट विंड पावर प्लांट शमिल हैं।
- इस हाइब्रिड प्लांट के साथ, अदानी ग्रीन एनर्जी के पास अब 1,440 मेगावाट की सबसे बड़ी परिचालन हाइब्रिड बिजली उत्पादन क्षमता है।
- इससे पूर्व, मई 2022 में, एजीईएल द्वारा भारत के पहले 390 मेगावाट के हाइब्रिड बिजली संयंत्र का संचालन किया गया था।
- अदाणी समूह द्वारा, सितंबर 2022 में, विश्व के सबसे बड़े सह-स्थित 600 मेगावाट के हाइब्रिड पावर प्लांट को चालू किया गया था।
- अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल), भारत स्थित अदानी समूह का एक हिस्सा है, जिसके पास 20.4 जीडब्ल्यू के समग्र पोर्टफोलियो के साथ सबसे बड़ा वैश्विक नवीकरणीय पोर्टफोलियो है।
- अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड यूटिलिटी-स्केल ग्रिड-कनेक्टेड सोलर, विंड फार्म और हाइब्रिड प्लांट्स का विकास, निर्माण, स्वामित्व, संचालन और रखरखाव करती है।

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

आईआईटी-मद्रास ने समुद्री लहरों से बिजली उत्पन्न करने के लिए प्रणाली तैयार की

चर्चा में क्यों:

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (IIT मद्रास) के शोधकर्ताओं द्वारा सिंधुजा-या ओशन वेव एनर्जी कन्वर्टर' नामक एक उपकरण विकसित किया है, जो समुद्री तरंगों से बिजली उत्पन्न कर सकता है।

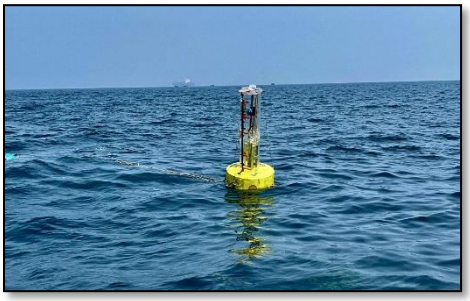

प्रमुख बिंदु:

- डिवाइस का परीक्षण नवंबर 2022 के दूसरे सप्ताह के दौरान पूरा किया गया था।
- सिंधुजा डिवाइस को तमिलनाडु के तूतीकोरिन के तट से लगभग 6 किलोमीटर दूर 20 मीटर की गहराई वाले स्थान पर तैनात किया गया था।
- ओशन चैव एनर्जी कन्वर्टर टेस्ट के लिए, IIT मद्रास द्वारा एक स्टार्ट-अप वीर्य परमिता एनर्जी (VPE) प्राइवेट लिमिटेड और मोतीलाल नेहरू नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (MNNIT) इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश के साथ सहयोग किया गया है।
- ओशन वद एनर्जी कन्वर्टर की सहायता से अगले 3 वर्षों में समुद्र की लहरों से 1 मेगावाट (MW) बिजली उत्पन्न की जा सकती है।
- भारत का लक्ष्य गहरे जल मिशन, स्वच्छ ऊर्जा और एक नीली अर्थव्यवस्था प्राप्त करना हैं।
- ओशन वद एनर्जी कन्वर्टर वर्ष 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा से 500 GW बिजली पैदा करने के अपने जलवायु परिवर्तन से संबंधित लक्ष्यों को पूरा करने में भारत की सहायता कर सकता है।
- सिंधुजा-1 को ऑस्ट्रेलियाई सरकार के विदेशी मामलों और व्यापार विभाग द्वारा IIT मद्रास के 'इनोवेटिव रिसर्च प्रोजेक्ट', DST निधि-प्रयास योजना के तहत TBI-KIET और ऑस्ट्रेलियाई पूर्व छात्र अनुदान योजना 2022 के माध्यम से वित्त पोषित किया गया था।
- इलेक्ट्रिकल स्टोरेज सिस्टम को GKS इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी और MCKV इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग, पश्चिम बंगाल द्वारा डिजाइन किया गया था।

स्रोत: द हिंदू

कम्युनिटी इनोवेटर फेलोशिप प्रोग्राम

चर्चा में क्यों:

- सरकार द्वारा कम्युनिटी इनोवेटर फैलोशिप आवेदन 1 दिसंबर, 2022 को शुरू किया गया हैं।

प्रमुख बिंदु:

- कम्युनिटी इनोवेटर फेलोशिप (CIF) अटल इनोवेशन मिशन की एक पहल है।
- कम्युनिटी इनोवेटर फेलोशिप प्रोग्राम को संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) भारत के सहयोग से लागू किया जा रहा है।
- कम्युनिटी इनोवेटर फेलोशिप प्रोग्राम का उद्देश्य ज्ञान निर्माण की सुविधा प्रदान करना तथा आकांक्षी सामुदायिक नवप्रवर्तकों को बुनियादी ढांचा समर्थन प्रदान करना और उनकी उद्यमशीलता की यात्रा में सहायता करना है।
- कम्युनिटी इनोवेटर फेलोशिप प्रोग्राम एक साल का फेलोशिप प्रोग्राम है जो समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों को हल करने में शामिल इनोवेटर्स के लिए सहायता प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया हैं।
- कम्युनिटी इनोवेटर फेलोशिप प्रोग्राम में 18 से 35 वर्ष की आयु के बीच का कोई भी सामुदायिक नवप्रवर्तक आवेदन कर सकता है।
- कम्युनिटी इनोवेटर फेलोशिप प्रोग्राम पहल अनुकूल वातावरण प्रदान करने का प्रयास करती है जो बुनियादी ढांचे और वित्त पोषण सहायता के माध्यम से ज्ञान, सलाह, सामुदायिक विसर्जन और समावेश को बढ़ावा देता है।
- कम्युनिटी इनोवेटर फेलोशिप प्रोग्राम के तहत 5 चरणों को शामिल किया गया हैं, पांच चरणों की सामग्री और पाठ्यक्रम डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म पर क्यूरेट किए गए हैं।
- अटल कम्युनिटी इनोवेशन सेंटर्स की स्थापना भारत के असेवित और अल्पसेवित क्षेत्रों में इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने के लिए की गई है।
- प्रत्येक अटल कम्युनिटी इनोवेशन सेंटर्स को 5 वर्ष की अवधि के लिए 2.5 करोड़ रुपये तक का अनुदान प्रदान किया जाता है।

स्रोत: द हिंदू

डिजी यात्रा पहल के तहत भारत में 3 हवाई अड्डों पर चेहरे की पहचान तकनीक की शुरुआत की गई

चर्चा में क्यों:

- केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री द्वारा इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, नई दिल्ली से देश के तीन हवाई अड्डों अर्थात् नई दिल्ली, वाराणसी और बेंगलुरु के लिए डिजी यात्रा की शुरुआत की है।

प्रमुख बिंदु:

- यह परियोजना डिजीयात्रा फाउंडेशन द्वारा कार्यान्वित की जा रही है।
- डिजीयात्रा फाउंडेशन एक संयुक्त उद्यम कंपनी हैं, जिसके शेयरधारक भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (26% हिस्सेदारी) और बेंगलुरु हवाई अड्डा, दिल्ली हवाई अड्डा, हैदराबाद हवाई अड्डा, मुंबई हवाई अड्डा और कोचीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा हैं।
- वर्तमान में घरेलू यात्रियों के लिए डिजी यात्रा योजना में भागीदारी स्वैच्छिक है।
- डिजी यात्रा को चुनने वाले लोगो को ऐप डाउनलोड करना होगा, रजिस्टर करना होगा, आधार विवरण लिंक करना होगा, सेल्फी लेनी होगी और यात्रा से पहले बोर्डिंग पास अपलोड करना आवश्यक हैं।
- डिजी यात्रा के साथ, एक यात्री कतार को छोड़कर एक समर्पित ई-गेट का उपयोग कर सकता है।
- डिजी यात्रा में गोपनीयता की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए, व्यक्तिगत रूप से पहचाने जाने योग्य जानकारी का कोई केंद्रीय भंडारण नहीं है।
- डिजी यात्रा में यात्री आईडी और यात्रा क्रेडेंशियल्स को यात्री के स्मार्टफोन पर ही एक सुरक्षित वॉलेट में संग्रहित किया जाता है।
- डिजी यात्रा के तहत अपलोड किया गया डेटा ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग करेगा और सभी डेटा 24 घंटे के भीतर सर्वर से हटा दिए जाएंगे।
- डिजी यात्रा की कल्पना चेहरे की पहचान प्रौद्योगिकी (एफआरटी) के आधार पर हवाई अड्डों पर यात्रियों के संपर्क रहित, निर्बाध प्रसंस्करण को प्राप्त करने के लिए की गई है।
- इससे हवाई अड्डे पर विभिन्न चौकियों पर चेहरे की पहचान प्रणाली के आधार पर यात्री डेटा स्वचालित रूप से संसाधित हो जाएगा।

स्रोत: द हिंदू

बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया 500

चर्चा में क्यों:

- "2022 वरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया 500, " सूची का दूसरा संस्करण जो भारत में 500 सबसे मूल्यवान फर्मों को रेक करता है, बरगंडी प्राइवेट, एक्सिस बैंक के निजी बैंकिंग व्यवसाय और हुरुन इंडिया द्वारा प्रकाशित किया गया हैं।

प्रमुख बिंदु:

- बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया 500 लिस्ट के लिए कट ऑफ डेट 30 अक्टूबर, 2022 निर्धारित की गयी थी।

- बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया 500 सूची के अनुसार, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (RIL) 17.2 लाख करोड़ रुपये के मूल्यांकन के साथ भारत की सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी है।
- टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) 11.7 लाख करोड़ रुपये के मूल्यांकन के साथ बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया 500 सूची में दूसरे स्थान पर है, जबकि HDFC बैंक 8.3 लाख करोड़ रुपये के मूल्यांकन के साथ बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया 500 सूची में तीसरे स्थान पर है।
- बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया 500 सूची में शामिल कंपनियाँ 36 भारतीय शहरों में स्थित है, जिनमें मुंबई (159), बेंगलुरु (63) तथा दिल्ली (42) सबसे आगे हैं।
- बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया 500 सूची में शामिल 500 कंपनियों का भारत में कार्यबल का 1.5% तक का हिस्सा है साथ ही भारत के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के 29% के बराबर शीर्ष पंक्ति राजस्व उत्पन्न करती हैं।
- इन कंपनियों का संयुक्त बाजारमूल्य 2.7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर या भारत के वर्तमान GDP के बराबर है।
- बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया 500 सूची में शामिल 500 कंपनियों द्वारा संयुक्त रूप से 820 बिलियन अमेरिकी डॉलर की बिक्री की गयी थी तथा इनसे 72.6 लाख लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान हुए हैं, जो संयुक्त अरब अमीरात (UAE) को आबादी से अधिक है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

State

महाराष्ट्र: दिव्यांग विभाग स्थापित करने वाला पहला राज्य

चर्चा में क्यों:

- महाराष्ट्र की राज्य सरकार द्वारा दिव्यांगों (दिव्यांगों) के लिए एक अलग सरकारी विभाग के गठन को मंजूरी प्रदान की गयी है।

प्रमुख बिंदु:

- महाराष्ट्र सरकार द्वारा इस विकास की घोषणा विकलांग व्यक्तियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर की गयी हैं।
- महाराष्ट्र भारत का पहला राज्य है जिसने दिव्यांगों (दिव्यांगों) के लिए एक अलग विभाग स्थापित किया है।

- यह विभाग राज्य में शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम लोगों की शैक्षिक और व्यावसायिक दोनों तरह से सेवा करने के लिए स्थापित किया गया है।
- यह दिव्यांगों के कल्याण को सुनिश्चित करने और उन्हें लक्षित विभिन्न सरकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए गठित किया गया हैं।
- नए विभाग में 2063 पद सृजित किए गए हैं और इसके लिए कुल 1143 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।
- इससे पहले, विकलांग लोगों से संबंधित सभी शिकायतें और मुद्दे सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री की अध्यक्षता वाले सामाजिक न्याय विभाग के अधिकार क्षेत्र में आते थे।
- सामाजिक न्याय एवं विशेष सहायता विभाग के तहत दिव्यांगों की चिंताओं को देखने वाले सभी वर्गों को एक साथ मिलाकर दिव्यांग विभाग बनाया जाएगा।
- वर्तमान में, राज्य में 2.5 करोड़ से अधिक विकलांग लोग हैं।
- विभिन्न विकलांगों के लिए सरकार द्वारा लगभग 2,000 विशेष प्रशिक्षकों को नियुक्त किया जायेगा।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने 'एक जिला एक खेल' योजना शुरू की

चर्चा में क्यों:

- उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली सरकार द्वारा एक जिला, एक उत्पाद की तर्ज पर 'वन डिस्ट्रिक, वन स्पोर्ट्स' (ODOS) योजना की शुरुआत की है।

प्रमुख बिंदु:

- वन डिस्ट्रिक, वन स्पोर्ट्स के तहत यूपी के प्रत्येक जिले का अपना अलग खेल होगा और उसकी अलग पहचान भी सुनिश्चित की जाएगी।
- वन डिस्ट्रिक, वन स्पोर्ट्स कार्यक्रम के तहत सरकार का लक्ष्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को तैयार करने का एक मंच प्रदान करना हैं।
- वन डिस्ट्रिक, वन स्पोर्ट्स के तहत यूपी के 75 जिलों में से प्रत्येक में एक खेल की पहचान की जाएगी तथा जिलेवार खेल-विशिष्ट प्रतिभाओं को खोजने और उनके कौशल को जिला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम बनाने के लिए कार्य किया जायेगा।
- वन डिस्ट्रिक, वन स्पोर्ट्स के तहत इन सभी जिलों के खेलो इंडिया सेंटर में इन खिलाड़ियों की प्रतिभा को ओर अधिक कुशल करने का कार्य कुशल प्रशिक्षकों द्वारा किया जायेगा।

- वन डिस्ट्रिक, वन स्पोर्ट्स योजना में एथलेटिक्स, हॉकी, टेबिल टेनिस, बैडमिंटन, भारोत्तोलन, बॉक्सिंग, तीरंदाजी, फुटबॉल, तैराकी, शूटिंग, कबड्डी, लॉन टेनिस जैसे खेलो को शामिल किया जायेगा।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

हैदराबाद को भारत का पहला रीयल-टाइम गोल्ड एटीएम मिला

चर्चा में क्यों:

- भारत का पहला गोल्ड एटीएम और विश्व का पहला रियल-टाइम गोल्ड एटीएम बेगमपेट, हैदराबाद में लॉन्च किया गया है।

प्रमुख बिंदु:

- गोल्ड्सिका द्वारा ओपनक्यूब टेक्नोलॉजीज (प्रौद्योगिकी समर्थन) के सहयोग से इस एटीएम की स्थापना की गयी हैं।
- इस एटीएम में लोग अपना डेबिट या क्रेडिट कार्ड गोल्डसिक्का में डाल सकते हैं तथा इससे सोने के सिक्के खरीद सकते हैं।
- हैदराबाद में स्थापित एटीएम की क्षमता 5 किलो सोना रखने की है।
- एटीएम में 0.5 ग्राम से लेकर 100 ग्राम तक सोने की मात्रा के लिए 8 विकल्प उपलब्ध किये गए हैं।
- यह भारत का प्रथम और विश्व का पहला रीयल-टाइम गोल्ड एटीएम है।
- गोल्ड एटीएम से प्राप्त किये गए सिक्के 24 कैरेट सोने और 999 प्रमाणित होंगे।
- सेफ्टी फीचर को ध्यान में रखते हुए एटीएम में बिल्ट-इन कैमरा और साउंड अलार्म सिस्टम को भी शामिल किया गया हैं।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

हरियाणा ओपन लूप टिकटिंग सिस्टम

चर्चा में क्यों:

- भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कुरुक्षेत्र में गीता महोत्सव 2022 के अवसर पर हरियाणा राज्य परिवहन निगम के लिए "ओपन लूप टिकटिंग सिस्टम" लॉन्च करने की घोषणा की हैं।

प्रमुख बिंदु:

- इससे हरियाणा रोडवेज बसों के लिए ओपन-लूप टिकटिंग सिस्टम शुरू करने वाला पहला राज्य बन जाएगा।
- ओपन-लूप टिकटिंग प्रणाली का उद्देश्य यात्रियों को रोडवेज बसों के लिए भौतिक टिकट खरीदने से दूर करने में सहायता करना है।
- ओपन-लूप टिकटिंग प्रणाली में एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक द्वारा जारी नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी), इलेक्ट्रॉनिक टिकट जारी करने वाली मशीनें (ईटीआईएम), एक जीपीएस सिस्टम और टिकटों की अग्रिम बुकिंग के लिए ऑनलाइन आरक्षण प्रणाली शामिल है।
- ओपन-लूप टिकटिंग प्रणाली के तहत एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक नकद, क्यूआर कोड या यूपीआई के माध्यम से ईटीआईएम और टिकट भुगतान लेनदेन क्षमता प्रदान किया जायेगा।
- ओपन-लूप टिकटिंग प्रणाली शुरू में 6 जिलों - फरीदाबाद, चंडीगढ़, करनाल, सोनीपत, भिवानी और सिरसा से शुरू होने वाले बस मार्गों के लिए शुरू की जाएगी।
- ओपन-लूप टिकटिंग प्रणाली के तहत पहले चरण में 10 लाख से अधिक नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) जारी किए जायेंगे, जिससे यात्री दो अलग-अलग टिकट खरीदे बिना दो से अधिक परिवहन प्रणालियों का उपयोग कर सकते हैं।
- ओपन लूप टिकटिंग प्रणाली से बस शुल्क में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी तथा इसकी सहायता से राजस्व हानि पर अंकुश लगाया जा सकेगा।
- ओपन लूप टिकटिंग प्रणाली यात्रियों के यात्रा अनुभव में सुधार करेगा और नकद लेनदेन की आवश्यकता को कम करने में भी सहायक होगा।
- ओपन लूप टिकटिंग प्रणाली को हरियाणा में सड़क परिवहन को कैशलेस, संपर्क रहित बनाने के लिए मुख्य रूप से डिज़ाइन किया गया हैं।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

निरोगी हरियाणा स्वास्थ्य योजना

चर्चा में क्यों:

- निरोगी हरियाणा स्वास्थ्य योजना को हरियाणा सरकार द्वारा में शुरू किया गया हैं।

प्रमुख बिंदु:

- लाभार्थी परिवारों को व्यापक मुफ्त स्वास्थ्य जांच और आवश्यक चिकित्सा उपचार प्रदान करने के उद्देश्य से निरोगी हरियाणा परियोजना शुरू की गई हैं।

- निरोगी हरियाणा स्वास्थ्य योजना का प्रारंभिक चरण जिला अस्पताल, सेक्टर 6, पंचकुला में शुरू किया गया हैं।
- पंचकुला जिले में 51 स्वास्थ्य सुविधाओं को सूचीबद्ध लाभार्थियों को आवंटित किया गया है।
- अंत्योदय योजना के तहत सूचीबद्ध पंचकूला में 42,000 परिवारों के 1,82,354 व्यक्ति निरोगी हरियाणा स्वास्थ्य योजना के लिए पात्र हैं।
- निरोगी हरियाणा स्वास्थ्य योजना के लाभार्थियों को आयु के आधार पर छह श्रेणियों में बांटा गया है, जो 0 से 6 महीने, 6 से 59 महीने, 6 से 18 साल, 18 से 40 साल, 40 से 60 साल और 80 साल से ऊपर की श्रेणी हैं।
- इन श्रेणियों में से प्रत्येक को अलग-अलग रंग का ओपीडी कार्ड प्रदान किया जायेगा, जिसमें प्रत्येक में आठ पृष्ठ होते हैं।
- सूचीबद्ध लाभार्थियों को एएनएम या आशा कार्यकर्ताओं द्वारा निर्दिष्ट तिथि पर उनकी स्वास्थ्य सुविधाओं का दौरा करने के लिए एक 'आमंत्रण पत्र' प्रदान किया जायेगा।
- निरोगी हरियाणा स्वास्थ्य योजना के तहत स्वास्थ्य जांच में शारीरिक माप, ऊंचाई, वजन, नाड़ी, बीपी, दंत चिकित्सा और आंखों की जांच सहित पूरी सामान्य शारीरिक जांच शामिल है।
- निरोगी हरियाणा योजना द्वारा प्रदान की जाने वाली व्यापक स्वास्थ्य जांच से मधुमेह, कैंसर, रक्तचाप, बच्चों में कुपोषण आदि बीमारियों का जल्द पता लगाने में सहायता मिलेगी।
- बीमारी और स्वास्थ्य प्रबंधन का आकलन करने के लिए निरोगी हरियाणा स्वास्थ्य योजना को लागू करने के दौरान प्राप्त संपूर्ण डेटा को ऑनलाइन संग्रहित किया जाएगा।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Awards

भारत के ग्रीनहाउस-इन-द-बॉक्स ने प्रिंस विलियम का अर्थशॉट पुरस्कार 2022 जीता

चर्चा में क्यों:

- प्रिंस विलियम और द अर्थशॉट प्राइज ने शुक्रवार को बोस्टन में 2022 के विजेताओं का खुलासा किया गया हैं।

प्रमुख बिंदु:

- स्थानीय छोटे किसानों के लिए लागत कम करने, उपज बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन की अग्रिम पंक्ति में आजीविका की रक्षा

के लिए एक अग्रणी समाधान, भारतीय स्टार्टअप खेती, द अर्थशॉट पुरस्कार के पांच विजेताओं में से एक है।

- प्रत्येक विजेता को दूसरे वार्षिक अर्थशॉट पुरस्कार पुरस्कार समारोह में 10 लाख पाउंड के पुरस्कार से सम्मानित किया गया तथा 5 दिसंबर को पीबीएस डॉट ऑर्ग और पीबीएस ऐप पर स्ट्रीमिंग शुरू की जाएगी।
- द अर्थशॉट पुरस्कार का उद्देश्य विश्व को मजबूती से रखने वाले अभिनव समाधानों की खोज करना तथा उनकी सहायता करना है।
- ग्रह के लिए इस महत्वपूर्ण दशक के दौरान प्रत्येक वर्ष पांच विजेताओं को हमारे ग्रह के सामने आने वाली पांच सबसे बड़ी पर्यावरणीय चुनौतियों के लिए उनके अभूतपूर्व समाधान के लिए चुना जाएगा।
- ये पांच अर्थशॉट हैं: प्रकृति की रक्षा और पुनर्स्थापन, हमारी वायु को स्वच्छ करो, हमारे महासागरों को पुनर्जीवित करें, अपशिष्ट मुक्त विश्व का निर्माण करें और हमारी जलवायु को ठीक करें।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

चिपको आंदोलन पर लिखी गई पुस्तक ने कमलादेवी चट्टोपाध्याय एनआईएफ पुस्तक पुरस्कार जीता

चर्चा में क्यों:

- लोकप्रिय वन संरक्षण अभियान चिपको आंदोलन पर शेखर पाठक की पुस्तक को कमलादेवी चट्टोपाध्याय एनआईएफ पुस्तक पुरस्कार 2022 का विजेता चुना गया हैं।

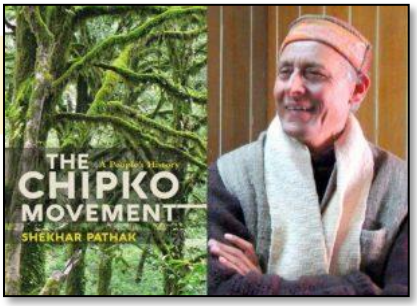

प्रमुख बिंदु:

- मनीषा चौधरी द्वारा हिंदी से अनुवादित, "चिपको आंदोलन": ए पीपल्स हिस्ट्री'' को आधुनिक भारतीय इतिहास के व्यापक विस्तार और अलग-अलग विषयों और दृष्टिकोणों को शामिल करने वाली पांच पुस्तकों की एक विविध शॉर्टलिस्ट से चुना गया था।
- राजनीतिक वैज्ञानिक नीरजा गोपाल जयाल की अध्यक्षता में छह सदस्यीय जूरी पैनल द्वारा विजेता का चयन किया गया हैं।
- जूरी के अन्य सदस्य उद्यमी मनीष सभरवाल, इतिहासकार श्रीनाथ राघवन और नयनजोत लाहिड़ी, पूर्व राजनयिक नवतेज सरना, और वकील राहुल मथान थे।
- अन्य शॉर्टलिस्ट की गई पुस्तकें स्वेता एस बल्लाकृष्णन द्वारा "एक्सीडेंटल फेमिनिज्म: जेंडर पैरिटी एंड सेलेक्टिव मोबिलिटी अमंग इंडियाज प्रोफेशनल एलीट" थीं।

- कमलादेवी चट्टोपाध्याय एनआईएफ पुस्तक पुरस्कार सभी राष्ट्रीयताओं के लेखकों द्वारा आधुनिक या समकालीन भारत पर गैर-काल्पनिक लेखन में उत्कृष्टता को पहचानता और सम्मानित करता है।
- एनआईएफ पुस्तक पुरस्कार में 15 लाख रुपये का नकद पुरस्कार, एक ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।
- वर्ष 2018 में स्थापित, कमलादेवी एनआईएफ बुक प्राइज स्वतंत्र भारत के सभी पहलुओं पर उच्च गुणवत्ता वाले शोध और लेखन को प्रायोजित करने के न्यू इंडिया फाउंडेशन के मिशन पर आधारित है।
- यह पुरस्कार कमलादेवी चट्टोपाध्याय के नाम पर रखा गया है, जो एक संस्था-निर्माता हैं, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम, महिला आंदोलन, शरणार्थी पुनर्वास और हस्तशिल्प के पुनरुद्धार में महत्वपूर्ण योगदान दिया था।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Science & Tech

3 ऑस्ट्रेलिया की "एसटीईएम की सुपरस्टार" में भारतीय मूल की महिला वैज्ञानिक

चर्चा में क्यों:

- 60 वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों, इंजीनियरों और गणितज्ञों में से तीन भारतीय मूल की महिलाओं को ऑस्ट्रेलिया के 'एसटीईएम सुपरस्टार' के रूप में चुना गया है।

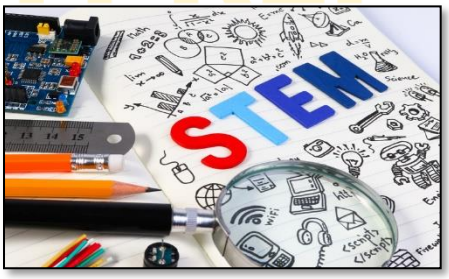

प्रमुख बिंदु:

- यह वैज्ञानिकों के बारे में समाज की लैंगिक धारणाओं को तोड़ने के उद्देश्य से शुरू की गई एक पहल है।
- वर्ष 2022 में, तीन भारतीय मूल की महिलाओं नीलिमा कडियाला, डॉ. एना बाबूरामनी और डॉ. इंद्राणी मुखर्जी को एसटीईएम सुपरस्टार के रूप में मान्यता दी जाएगी।
- इस वर्ष एसटीईएम की सुपरस्टार सूची में भारतीयों के साथ साथ श्रीलंकाई मूल की महिला वैज्ञानिकों को भी चुना गया है।
- प्रत्येक वर्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी ऑस्ट्रेलिया (एसटीए), एसटीईएम की सुपरस्टार क्षेत्र में देश का शीर्ष निकाय और 105,000 से अधिक वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों का प्रतिनिधित्व करते हुए,

विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित में कार्य कर रहे 60 ऑस्ट्रेलियाई विशेषज्ञों का चयन करता है।

- एसटीईएम की सुपरस्टार में चुनी गयी नीलिमा कडियाला चैलेंजर लिमिटेड में एक आईटी प्रोग्राम मैनेजर हैं और उनके पास वित्तीय सेवाओं, टेल्को और एफएमसीजी सहित कई उद्योगों में 15 वर्षों का अनुभव है।
- एसटीईएम की सुपरस्टार में चुनी गयी डॉ एना बाबूरामनी रक्षा विभाग - विज्ञान और प्रौद्योगिकी समूह में वैज्ञानिक सलाहकार हैं।
- एसटीईएम की सुपरस्टार में चुनी गयी डॉ. इंद्राणी मुखर्जी तस्मानिया विश्वविद्यालय में एक भूविज्ञानी हैं तथा जैविक संक्रमण के क्षेत्र में कार्य करती हैं।

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

Economy

आईसीआईसीआई बैंक ने रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनियों के लिए STACK लॉन्च किया

चर्चा में क्यों:

- आईसीआईसीआई बैंक द्वारा रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनियों के लिए एक मंच पर अपनी बैंकिंग आवश्यकताओं के समाधान की पेशकश करने के लिए एक स्टैक (STACK) लॉन्च करने की घोषणा की गयी है।

प्रमुख बिंदु:

- STACK डिजिटल और भौतिक समाधानों का एक संयोजन है।
- STACK रियल एस्टेट क्षेत्र के प्रतिभागियों जैसे बिल्डरों, रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स (REITs) और वैकल्पिक निवेश फंड्स (AIFs) को तेजी से बैंकिंग लेनदेन करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है।
- STACK पहल 'कॉर्पोरेट्स के लिए आईसीआईसीआई स्टैक' का विस्तार है, जिसे बैंक ने कॉर्पोरेट्स और उनके पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बैंकिंग समाधानों का एक अनुकूलित सेट प्रदान करने के उद्देश्य से लॉन्च किया गया था।
- STACK के माध्यम से बैंक बिल्डरों को नामित रेरा खाता, परियोजना ऋण देने के लिए एस्क्रो खाता और नियमित व्यय प्रबंधन के लिए चालू खाता जैसे खाते खोलने की सुविधा प्रदान करता है।

- STACK के तहत बैंक बिल्डरों को उनके परियोजना जीवनचक्र के दौरान कई प्रकार के ऋण प्रदान करता है, जिसमें निर्माण वित्त, इन्वेंट्री फंडिंग और लीज रेंटल डिस्काउंटिंग (LRD) जैसी सुविधा शामिल है, इसके अतिरिक्त, बैंक बिल्डरों को वित्तीय और परिचालन क्षमता बढ़ाने के लिए ओवरड्राफ्ट, लेटर ऑफ क्रेडिट और बैंक गारंटी जैसी सुविधाएं भी प्रदान करेगा।
- STACK संभावित घर खरीदारों के लिए मॉर्गेज लोन के लिए वन-स्टॉप शॉप है।
- STACK के तहत बैंक बिल्डरों को प्री-लॉन्च चरण में विभिन्न परियोजनाओं के लिए रिफंड को डिजिटल रूप से एकत्र करने और आसानी से संसाधित करने के लिए एक अनुकूलित समाधान भी प्रदान करेगा।

स्रोत: द हिंदू

Defence

यूएस, इंडिया नेवी ने संयुक्त विशेष बल गोवा में अभ्यास किया

चर्चा में क्यों:

- संगम अभ्यास का 7वां संस्करण, भारतीय नौसेना मार्को और यूएस नेवी सील के बीच एक संयुक्त नौसेना विशेष बल अभ्यास गोवा में आयोजित किया गया है।

प्रमुख बिंदु:

- संगम अभ्यास पहली बार वर्ष 1994 में आयोजित किया गया था तथा यह दोनों देशों के बीच एक महत्वपूर्ण सैन्य और कूटनीतिक पहल है।
- संगम अभ्यास के 7वां संस्करण में सैन डिएगो, यूएसए स्थित सील टीम फाइव के कर्मी और आईएनएस अभिमन्यु से भारतीय नौसेना मार्को को शामिल किया गया हैं।
- संगम अभ्यास विशुद्ध रूप से अमेरिका और भारतीय विशेष बलों के बीच एक द्विपक्षीय अभ्यास है।
- संगम अभ्यास तीन सप्ताह की अवधि के लिए आयोजित किया जायेगा, जिसमें कर्मियों को मैरीटाइम इंटरडिक्शन ऑपरेशंस, डायरेक्ट एक्शन मिशन, कॉम्बैट फ्री फॉल जंप, स्पेशल हेलिबॉर्न ऑपरेशंस और अन्य स्किल ड्रिल में प्रशिक्षित किया जाएगा।

- संगम अभ्यास का उद्देश्य मैरीटाइम स्पेशल ऑपरेशंस के विभिन्न पहलुओं पर विचारों और अनुभवों का आदान-प्रदान करना है।
- भारतीय नौसेना मार्को को वर्ष 1985 में भारतीय समुद्री विशेष बल (IMSF) के रूप में तैयार किया गया था, जिसका 2 वर्ष पश्चात, MARCOS का नाम बदलकर मरीन कमांडो फोर्स (MCF) कर दिया गया था।
- भारतीय नौसेना मार्को का आदर्श वाक्य "द फ्यू द फीयरलेस" था।

स्रोत: पीआईबी

Personality

डीना बोलुआर्टे पेरू की पहली महिला राष्ट्रपति बनीं

चर्चा में क्यों:

- पूर्व उपराष्ट्रपति डीना बोलुआर्टे द्वारा पेरू की पहली महिला और छठी राष्ट्रपति के रूप में पदभार ग्रहण किया गया है।

प्रमुख बिंदु:

- डीना पेरू की पहली महिला राष्ट्रपति हैं, जिनका कार्यकाल वर्ष 2026 तक हैं।
- 130 सदस्यीय संसद में, 101 द्वारा प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया गया, जबकि केवल 6 ने राष्ट्रपति के समर्थन में मतदान किया था।
- पेरू की संवैधानिक अदालत प्रमुख फ्रांसिस्को मोरालेस द्वारा संसद में महाभियोग प्रस्ताव पर मतदान से पहले एक भाषण में उपराष्ट्रपति डीना बोलुआर्टे को राष्ट्रपति पद ग्रहण करने का आदेश दिया गया था।
- पेरू कांग्रेस में राष्ट्रपति को हटाने की क्षमता होती है वहीँ राष्ट्रपति के पास भी कांग्रेस को भंग करने की क्षमता होती है।
- इससे पूर्व पेड्रो कैस्टिलो को जुलाई 2021 में पेरू के राष्ट्रपति के रूप में चुना गया था, जिन्हे भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण अपने पद से त्याग पत्र देना पड़ा था।
- पिछले 40 सालों पर लगभग सभी पूर्व राष्ट्रपति पर बहुराष्ट्रीय निगमों से जुड़े भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया है।

- पेरू की राजधानी लीमा हैं, तथा पेरू की आधिकारिक मुद्रा सोल हैं।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

वलोडिमिर ज़ेलेंस्की टाइम मैगज़ीन के 2022 पर्सन ऑफ द ईयर हैं

चर्चा में क्यों:

- यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की को टाइम मैगज़ीन द्वारा 2022 पर्सन ऑफ़ द ईयर चुना गया हैं।

प्रमुख बिंदु:

- पर्सन ऑफ द ईयर टाइम पत्रिका का एक वार्षिक अंक है जिसमें एक व्यक्ति, एक समूह, एक विचार या एक वस्तु को दर्शाया जाता है जिसने वर्ष की घटनाओं को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया हैं।
- टाइम पत्रिका द्वारा वर्ष 1927 में अपना पहला पर्सन ऑफ द ईयर पुरस्कार प्रदान किया गया था।
- वर्ष 1930 के संस्करण में महात्मा गांधी को पर्सन ऑफ द ईयर पुरस्कार प्रदान किया गया था।
- यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की, जिन्होंने रूसी आक्रमण का विरोध करने में केंद्रीय भूमिका निभाने के पश्चात वैश्विक मान्यता प्राप्त की, को 2022 पर्सन ऑफ द ईयर नामित किया गया।
- वलोडिमिर ज़ेलेंस्की द्वारा रूसी आक्रमण (2022) के खिलाफ एक शक्तिशाली प्रतिरोध किया गया था, जिसके कारण उन्हें पत्रिका द्वारा वर्ष 2022 के लिए पर्सन ऑफ द ईयर के रूप में नामित किया गया है।
- रूस के आक्रमण (24 फरवरी) के पश्चात से, ज़ेलेंस्की द्वारा दैनिक भाषण दिए गए थे जिनका अनुसरण यूक्रेनियन और विश्वो की सरकारों द्वारा किया गया था।
- ज़ेलेंस्की द्वारा "यूक्रेन की भावना" के साथ वर्ष 2022 के खिताब को साझा किया गया है।

स्रोत: द हिंदू

कतर में फाइनल से पहले दीपिका पादुकोण फीफा विश्व कप ट्रॉफी का अनावरण करेंगी

चर्चा में क्यों:

- दीपिका पादुकोण द्वारा 18 दिसंबर को विश्व कप फाइनल से पूर्व कतर में फीफा विश्व कप ट्रॉफी का अनावरण किया जायेगा।

प्रमुख बिंदु:

- फीफा वर्ल्ड कप का फाइनल 18 दिसंबर को कतर के लुसैल आइकॉनिक स्टेडियम में खेला जायेगा।
- इस वर्ष कतर द्वारा फीफी विश्व कप की मेजबानी की गयी है।
- इसी के साथ दीपिका पादुकोण फाइनल्स के दौरान फीफा वर्ल्ड कप ट्रॉफी का अनावरण करने वाली पहली ग्लोबल एक्टर बन जाएगी।
- एक्ट्रेस और डांसर नोरा फतेही द्वारा दोहा के अल बिद्दा पार्क में फीफा वर्ल्ड कप 2022 फैन फेस्टिवल में परफॉर्म किया गया था।
- इससे पूर्व दीपिका पादुकोण को टाइम द्वारा वर्ष 2018 में विश्व के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों में से एक नामित किया गया था।
- वर्ष 2022 में दीपिका पादुकोण को TIME100 इम्पैक्ट अवार्ड से भी सम्मानित किया गया हैं।
- दीपिका पादुकोण लिव लव लाफ फाउंडेशन की भी संस्थापक हैं, जो भारत में मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता पैदा करता है।
- दीपिका पादुकोण द्वारा इस वर्ष कांस फिल्म फेस्टिवल में भारत का प्रतिनिधितत्व भी किया था।

स्रोत: लाइवमिंट

Sports

सिडनी मैकलॉघलिन-लेवरोन और मोंडो डुप्लांटिस को विश्व एथलेटिक्स एथलीट 2022 नामित किया गया

चर्चा में क्यों:

- यूएसए के सिडनी मैकलॉघलिन-लेवरोन और स्वीडन के मोंडो डुप्लांटिस को वर्ल्ड एथलेटिक्स अवार्ड्स में 2022 वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया है।

प्रमुख बिंदु:

- अंतर्राष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ द्वारा आयोजित विश्व एथलेटिक्स पुरस्कार 2022 का आयोजन ली मेरिडियन में किया गया हैं।
- मैकलॉघलिन-लेवरोन द्वारा महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में दो बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ा गया था।

- मैकलॉघलिन-लेवरोन वर्ष 2019 में साथी 400 मीटर बाधा दौड़ दलिलाह मुहम्मद के बाद एथलीट ऑफ द ईयर जीतने वाली पहली अमेरिकी बनीं हैं।
- डुप्लांटिस द्वारा तीन मौकों पर विश्व पोल वॉल्ट रिकॉर्ड तोड़ा गया हैं।
- स्वीडन के लिए यह दूसरी डायमंड लीग ट्रॉफी है, जिसके पास विश्व का पोल वॉल्ट रिकॉर्ड है।
- डुप्लांटिस द्वारा इस वर्ष पोल वॉल्ट में इनडोर और आउटडोर दोनों विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किये हैं।

स्रोत: लाइवमिंट

विश्व चैंपियन रुद्राक्ष पाटिल ने ISSF प्रेसिडेंट कप में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीता

चर्चा में क्यों:

- भारतीय निशानेबाज रुद्राक्ष पाटिल द्वारा मिस्र के काहिरा में आयोजित इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (ISSF) प्रेसिडेंट्स कप अपने नाम किया है।

प्रमुख बिंदु:

- रुद्राक्ष पाटिल द्वारा 10 मीटर राइफल प्ले-ऑफ में इटली के डेनिलो सोलाजो को 16-8 से हराया गया हैं।
- 28 नवंबर से हो रही इस प्रतियोगिता में सभी महाद्वीपों के 43 आईएसएसएफ सदस्य संघों का प्रतिनिधित्व करने वाले 42 देशों के एथलीट द्वारा भाग लिया गया हैं।
- मिस्र के काहिरा में आयोजित ISSF राइफल/पिस्टल विश्व चैंपियनशिप 2022 में, 18 वर्षीय रुद्राक्ष पाटिल द्वारा पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण जीतकर वर्ष 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए देश का पहला कोटा हासिल किया गया हैं।
- ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा, तेजस्विनी सावंत, मानवजीत सिंह संडू, ओम प्रकाश मिथरवाल और अंकुर मित्तल के पश्चात छठे भारतीय निशानेबाजी विश्व चैंपियन हैं।
- वर्ष 2021 में ISSF प्रेसिडेंट कप में, भारत द्वारा पांच पदक अपने नाम किया गए हैं जिसमें- दो स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक शामिल हैं।

स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया

Important Days

भारत ने 6 दिसंबर को 67वें महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया

चर्चा में क्यों:

- 06 दिसंबर, 2022 को सम्पूर्ण भारत में महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता हैं।

प्रमुख बिंदु:

- सरकार का उद्देश्य महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर 67वें महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि देना हैं।
- 'डॉ. भीमराव अंबेडकर' की पुण्यतिथि 6 दिसंबर को प्रत्येक वर्ष 'महापरिनिर्वाण दिवस' के रूप में मनाया जाता है।
- 'परिनिर्वाण', जिसे बौद्ध धर्म का एक प्रमुख सिद्धांत माना जाता है, एक संस्कृत का शब्द है जिसका अर्थ है मृत्यु के बाद 'मुक्ति' अथवा 'मोक्ष'।
- 'डॉ. भीमराव अंबेडकर' का जन्म 14 अप्रैल, 1891 को मध्य प्रांत (अब मध्य प्रदेश) के 'महू' में हुआ था।
- डॉ. अंबेडकर एक समाज सुधारक, न्यायविद, अर्थशास्त्री, लेखक, बहु-भाषाविद और तुलनात्मक धर्म दर्शन के विद्वान थे।
- डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को 'भारतीय संविधान के जनक' के रूप में जाना जाता है, तथा वह स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून/विधि मंत्री थे।
- डॉक्टर भीमराव अंबेडकर द्वारा वर्ष 1923 में उन्होंने 'बहिष्कृत हितकारिणी सभा' की स्थापना की गयी थी तथा मार्च 1927 में उन्होंने 'महाड़ सत्याग्रह' का भी नेतृत्त्व किया था।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

विश्व मृदा दिवस 2022

चर्चा में क्यों:

- स्वस्थ मिट्टी के महत्व को उजागर करने और मिट्टी के संसाधनों के सतत प्रबंधन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 5 दिसंबर को प्रतिवर्ष विश्व मृदा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

प्रमुख बिंदु:

- विश्व मृदा दिवस 2022 की थीम 'मृदा: जहां भोजन शुरू होता है' है।
- विश्व मृदा दिवस का उद्देश्य मानव कल्याण, खाद्य सुरक्षा और पारिस्थितिक तंत्र के लिए मिट्टी की गुणवत्ता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।
- विश्व मृदा दिवस को पहली बार वर्ष 2002 में इंटरनेशनल यूनियन ऑफ सॉइल साइंसेज द्वारा माना गया था, परन्तु वर्ष 2013 तक एफएओ द्वारा आधिकारिक तौर पर इसका समर्थन नहीं किया गया था।
- वर्ष 2002 में अंतर्राष्ट्रीय मृदा विज्ञान संघ (IUSS) द्वारा मिट्टी को मनाने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय दिवस की सिफारिश की गई थी।
- एफएओ सम्मेलन द्वारा सर्वसम्मति से जून 2013 में विश्व मृदा दिवस का समर्थन किया गया तथा 68वें संयुक्त राष्ट्र महासभा में इसे आधिकारिक रूप से अपनाने का अनुरोध किया गया था।
- दिसंबर 2013 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 5 दिसंबर 2014 को पहले आधिकारिक विश्व मृदा दिवस के रूप में नामित किया गया था।
- विश्व मृदा दिवस पहली बार वर्ष 2016 में सम्राट की स्मृति में आधिकारिक रूप से चिह्नित किया गया था।

स्रोत: लाइवमिंट

विकलांग व्यक्तियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस 2022

चर्चा में क्यों:

- प्रत्येक वर्ष 3 दिसंबर को विश्व में विकलांग व्यक्तियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

प्रमुख बिंदु:

- इस वर्ष विकलांग व्यक्तियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस का विषय "समावेशी विकास के लिए परिवर्तनकारी समाधान: एक सुलभ और न्यायसंगत दुनिया को बढ़ावा देने में नवाचार की भूमिका" है।

- विकलांग व्यक्तियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस उन मुद्दों को उजागर करने के लिए मनाया जाता है जो विकलांग लोगों को प्रभावित करते हैं और उनकी भलाई, उनकी गरिमा और मौलिक अधिकारों को बढ़ावा देते हैं।
- विकलांग व्यक्तियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस जीवन के सामाजिक-राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पहलुओं में विकलांग व्यक्तियों की बढ़ती आत्मसात को प्रोत्साहित करने के लिए मनाया जाता है।
- वर्ष 1976 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 1981 को विकलांग व्यक्तियों के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के रूप में घोषित किया गया था।
- 4 अक्टूबर 1992 को संयुक्त राष्ट्र महासभा की 37वीं पूर्ण बैठक के दौरान विकलांग व्यक्तियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में 3 दिसंबर को अपनाया गया था।
- विकलांगता एक जटिल और बहुआयामी अवधारणा है, जिसका अर्थ कई संबद्ध कानूनी राजनीतिक और सामाजिक निर्माणों के साथ-साथ प्रदेशों में भिन्न है।
- विकलांगता, सरल शब्दों में, एक शारीरिक या मानसिक स्थिति या दोनों है जो व्यक्तियों की गति, गतिविधियों या धारणा की भावना को सीमित करती है।

स्रोत: लाइवमिंट

Back to Top↑